

सोचा नहीं था ख्वाब में  
किस्मत ने दिन दिखाये ५५५५  
आया जो ख्वाब तेरा  
आँसू निकल के-आये ५५५५

सोचा नहीं-...

मं० ने दिखाई राहें ५५५५  
चलना था नाज से ५५५५ ॥२॥  
देखो तेरी जमीं पर  
पत्थर पिघल के आये

आया जो ख्वाब-...

सोचा नहीं-.....

किस हाल में फसी थी  
तेरी ये जिन्दगी ५५५५ ॥२॥  
जब पा लिया ठिकाना  
तूने कैसे गुल खिलाये  
आया जो ख्वाब

सोचा नहीं-.....

क्यों आज के इंसाने

ई- मर्क को खो दिया SSSSS ||2||

क्या होगा आगे चलके

अंदाज- कर- न- पाये

आया जो ख्याल-----

सोचा नहीं-----

दिखता नहीं है जग में

लुझसा कोई ठिकाना SSSSS ||2||

तेरे दर पे आ गया हूँ

बैठा हूँ सर झुकाये SSSSS ||2||

आया जो ख्याल-----

सोचा नहीं-----

छोखा है हर कदम पर

लगने लगा "श्री बाबा श्री" ||2||

किस पे करें यकीं अब

मिल के ही चोट खाये

आया जो ख्याल-----

सोचा नहीं-----